

प्रेषक,

एल०एम० पन्त,  
सचिव, वित्त  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,  
नगर पालिका परिषद, उत्तराखण्ड,  
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून-दिनांक: 20 जनवरी, 2009

**विषय:-** द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगरपालिका परिषदों को धनराशि का संक्रमण (चतुर्थ त्रैमासिक किस्त हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 32 नगरपालिका परिषदों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 की तृतीय किस्त हेतु रु० 87564154.00 (रु० छः करोड़ पच्चीस लाख चौसठ हजार एक सौ चब्वन मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2005-06, 2006-07 तथा 2007-08 में विभिन्न शासनादेशों द्वारा अवमुक्त धनराशि रु० 108799864.00 (रु० दस करोड़ सत्तासी लाख निनानब्बे हजार आठ सौ छियालीस मात्र) के उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रशासनिक विभाग से निर्धारित प्रारूप पर प्राप्त न होने के कारण वित्तीय वर्ष 2005-06, 2006-07 तथा 2007-08 में 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि को वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत समनुदेशन की चतुर्थ किस्त से समायोजित कर लिया गया है। निकायवार समायोजित धनराशि का विवरण संलग्न के प्रस्तर-4 में दिया गया है।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं०-1674/XXVII/(1)/2006 दिनांक 22 नवम्बर, 2006 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(4) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निकायों को आवंटित धनराशि के समय से उपयोग हेतु उत्तरदायी होंगे।

(5) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन -आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-192-नगरपालिका/नगर निकाय-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करो से समनुदेशन-00-20- सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।  
संलग्न:- यथोपरि।

भवदीय,

(एल0एम0 पन्त)  
सचिव।

संख्या:- 47 (1)/XXVII(1)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि:निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मण्डलायुक्त, गढ़वाल/ कुमायूँ, उत्तराखण्ड।
- 4- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, देहरादून।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7- समस्त मुख्य/वरिष्ठ, कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 8- विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 10- एन0 आई0सी0 सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,

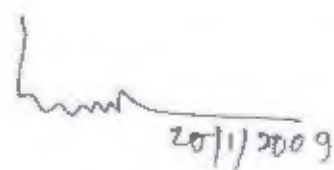
2011/2009  
(एल0एम0पन्त)  
सचिव

शासनादेश संख्या: 47 / XXVII (i) / 2009

दिनांक: 20 जनवरी, 2009 का संलग्नक।

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पालिका परिषदों को चतुर्थ त्रैमास के लिए संकमित धनराशि।


क्र०सं०	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	राज्य वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2008-09 हेतु चतुर्थ किश्त हेतु देय संकमण	12वें वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 में कुल अवमुक्त धनराशि	(धनराशि रु० में) समायोजन के बाद देय धनराशि (3-4)
1	2	3	4	5
<b>1-नगर पालिका परिषद</b>				
1-	उत्तरकाशी	5654000	3074065	2579935
2-	जोशीमठ	4283000	2381994	1901006
3-	धमोली/ गोपेश्वर	5555000	2962535	2592465
4-	नई टिहरी	6418000	3528983	2889017
5-	नरेन्द्र नगर	1325000	858547	468453
6-	मसूरी	16558000	6054756	10501244
7-	विकासनगर	1583000	1042912	540088
8-	ऋषिकेश	7417000	4929344	2487656
10-	कोटद्वार	4895000	2765266	2129734
11-	श्रीनगर	2760000	1691879	868121
12-	पीड़ी	6659000	4630099	2028901
13-	टनकपुर	2129000	1368034	760966
14-	रामनगर	3680000	2983896	696104
15-	नैनीताल	9158000	4858885	4299115
17-	हल्द्वानी	15811000	10577570	5233430
18-	जसपुर	3785000	2816425	968575
19-	काशीपुर	8335000	5382602	2952398
20-	बाजपुर	2010000	1531408	478592
21-	गदरपुर	1902000	1205192	696808
22-	रूद्रपुर	13091000	8120589	4970411

  
20/1/2009



0सं0	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	राज्य वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2008-09 हेतु चतुर्थ किस्त हेतु देय संकमण	12वीं वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 में कुल अवमुक्त धनराशि	समायोजन के बाद देय धनराशि (3-4)
23-	किच्छा	3128000	2266747	861253
24-	सितारगंज	2455000	1709061	745939
25-	खटीमा	2523000	1468091	1054909
26-	रुडकी	8487000	5563840	2923160
27-	मंगलौर	3343000	2150652	1192348
28-	हरिद्वार	15922000	12224500	3697500
29-	पिथौरागढ़	7695000	4678223	3016777
30-	अल्मोड़ा	4230000	2905579	1324421
31-	बागेश्वर	2050000	1205253	844747
32-	रूद्रप्रयाग	3525000	1664919	1860081
	योग	176364000	108799846	67584154

(रु० छः करोड़ पचहत्तर लाख चौसठ हजार एक सौ चत्वन मात्र)

  
 (एल०एम० पन्त)  
 सचिव, वित्त।